भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. **3758**

(जिसका उत्तर सोमवार दिनांक 24 मार्च, 2025/03 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाना है)

बिहार और उत्तर प्रदेश में विदेशी मुद्रा का अंतर्वाह

3758. डॉ. आलोक कुमार सुमनः

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि प्रेषण, निवेश अथवा अन्य माध्यमों से विदेशी मुद्रा का अंतर्वाह आर्थिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण संकेतक है और बिहार तथा उत्तर प्रदेश राज्य के विकास कार्यों में इसका महत्वपूर्ण योगदान है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) बिहार राज्य के गोपालगंज, सिवान, सारण, पूर्वी और पश्चिमी चम्पारण जिलों तथा उत्तर प्रदेश के देवरिया और कुशीनगर जिलों में विदेशी मुद्रा के अंतर्वाह का ब्यौरा क्या है;
(घ) उक्त जिलों में विगत दस वर्षों के दौरान विदेशों से भेजी गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?
(ङ) उक्त जिलों में देश के अनिवासी भारतीयों (एन.आर.आई.) अथवा विदेशस्थ नागरिकों के विदेशी मुद्रा प्रवाह में योगदान का ब्यौरा क्या है; और
(च) क्या विदेशी मुद्रा के इस अंतर्वाह का उपयोग उक्त जिलों के विकास के लिए किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) और प्रेषण आदि जैसे विभिन्न माध्यमों से विदेशी मुद्रा अंतर्वाह में आर्थिक कार्यकलापों में योगदान देता है। आम तौर पर, विदेशी निवेश प्राप्तकर्ता क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करके राज्य स्तर के विकास में योगदान देता है। एफडीआई के परिणामस्वरूप पूंजी, तकनीकी जानकारी और कौशल के अंतरण के माध्यम से आर्थिक कार्यकलापों में विकास होता है।

भारत के भुगतान संतुलन के अनुसार, भारत में सकल आंतरिक प्रेषण **118.7** बिलियन अमेरिकी डॉलर (यूएसडी) था। वर्ष **2023-24** के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के प्रेषण संबंधी सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारत के आंतरिक प्रेषण में उत्तर प्रदेश और बिहार की हिस्सेदारी क्रमशः **3** प्रतिशत और **1.3** प्रतिशत हैं।

कुल एफडीआई अंतर्वाह में इक्विटी अंतर्वाह, गैर-निगमित निकायों की इक्विटी पूंजी, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल हैं। देश/क्षेत्र/राज्य/जिलेवार आंकड़े केवल एफडीआई अंतर्वाह के इक्विटी घटक के लिए रिकॉर्ड में रखे जाते हैं। अक्टूबर **2019** से दिसंबर, **2024** तक की अवधि के लिए उत्तर प्रदेश और बिहार में संचयी एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह क्रमशः 1941.82 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 215.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर है।

(ग) एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह से संबंधित जिलेवार आंकड़े निम्नानुसार हैं।

(मिलियन अमेरिकी डॉलर में)

क्र.सं.	जिला का नाम	**2019-20 (अक्टूबर 2019 से)^**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	संचयी एफ. डी. आई
1	पूर्वी चंपारण (मोतीहारी), बिहार	0.11	0.14	0.02	-	-	**0.27**
2	पश्चिमी चंपारण (बेतिया), बिहार	-		-	0.001	0.001	**0.002**

^ *राज्य और जिलेवार आंकड़ों का अक्टूबर, 2019 से रखरखाव किया गया है*

स्रोत: उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

बिहार के गोपालगंज, सीवान और सारण तथा उत्तर प्रदेश के देवरिया और कुशीनगर जिलों में एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह से संबंधित कोई सूचना नहीं मिली है।

(घ) और (ङ): आरबीआई के प्रेषण संबंधी सर्वेक्षण में विदेशी प्रेषण के जिलेवार आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

(च): उपरोक्त भाग (क) और (ख) के उत्तर के अनुसार।

******